RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com
DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

INDORE ■ 31 JULY TO 06 AUGUST 2024 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 45 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई में धीमी रही
Page 2

LTCG से सरकार ने बनाया कमाई का रिकॉर्ड, खजाने में आए 98,681 करोड़
Page 3

ITR फाइल करने की डेडलाइन खत्म, अब आएगी इनकम टैक्स नोटिसेज की बाढ़!
Page 5

editorial

लोक अदालत का महत्व

सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी लोक अदालत में पहले ही दिन तीन सौ मामलों का निपटारा कर दिया. यह पहला मौका है, जब सर्वोच्च न्यायालय ने लोक अदालत का आयोजन किया है. पांच दिन चलने वाली इस लोक अदालत में सुलह के लिए दो हजार मामलों को सूचीबद्ध किया गया है. मामलों की सुनवाई 14 न्यायाधीशों द्वारा की जा रही है. इसके लिए सात पैनल बनाये गए हैं, जिनके चार सदस्यों में दो वकील भी शामिल हैं. प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के पैनल में पांच सदस्य हैं. आम तौर पर अदालतों में जो सुनवाई होती है, उसमें दोनों पक्ष अपनी दलील जज, न्यायाधीश या खंडपीठ के समक्ष रखते हैं तथा जज उनके आधार पर निर्णय देते हैं. पर लोक अदालतों में दोनों पक्षों की आपसी सहमति से मामले का निपटारा किया जाता है. भले ही सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार लोक अदालत का आयोजन किया है, पर देशभर में ऐसी अदालतें नियमित रूप से बैठती हैं. लोक अदालतों को विधिक सेवा प्राधिकरण कानून, 1987 के तहत वैधानिक दर्जा मिला. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण अन्य कानूनी सेवा संस्थानों के साथ मिलकर लोक अदालतों का संचालन करता है. जब कोई मामला लोक अदालत में आता है, तो उसके लिए कोई शुल्क नहीं देना पड़ता है. यदि कोई मामला अदालत में चल रहा हो और उसे लोक अदालत को भेज दिया जाता है, तो निपटारे के बाद अदालत को दिया गया शुल्क भी वापस कर दिया जाता है. लोक अदालत में जिरह से नहीं, बल्कि बातचीत से और समझा-बुझाकर विवादों को हल किया जाता है. ऐसे फैसलों से कोई पक्ष निराश भी नहीं होता और सभी उस पर अमल भी करते हैं. लोक अदालतों की स्थापना के पीछे मुख्य उद्देश्य यही है कि मामलों का निपटारा जल्दी और रजामंदी से हो. इन अदालतों में सभी तरह के दीवानी और फौजदारी के मामले लाये जा सकते हैं. केवल वैसे आपराधिक मामलों का यहां निपटारा नहीं होता, जिनमें समझौते की कानूनी तौर पर मनाही है. इन अदालतों में विचाराधीन मामलों को तो लाया ही जा सकता है, साथ ही उन विवादों के निपटारे की भी अर्जी दी जा सकती है, जो अभी न्यायालय के समक्ष नहीं आये हैं. लोक अदालतों की मर्यादा तथा वादियों की सहमति का मान रखने के लिए यह प्रावधान भी किया गया है कि यहां हुए फैसलों को किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है. हमारे देश में सभी अदालतों में लंबित मामलों की संख्या पांच करोड़ से अधिक हो चुकी है. ऐसे मामलों की भी बड़ी संख्या है, जिनकी सुनवाई बरसों से हो रही है. अदालतों में जजों और अन्य जरूरी संसाधनों का भी अभाव है. सुनवाई की तारीख का टलना गंभीर समस्या बन चुकी है. ऐसे में लोक अदालतें प्रभावी साबित हो सकती हैं.

निफ्टी भी नए रेकॉर्ड पर, चढ़ते बाजार में इन्फोसिस में गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार में अच्छी तेजी दिख रही है। इस तेजी के साथ ही सेंसेक्स और निफ्टी नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। सेंसेक्स 350 अंक की छलांग के साथ पहली बार 82,000 अंक के पार पहुंच गया जबकि निफ्टी ने भी पहली बार 25,000 अंक का आंकड़ा छुआ है। निफ्टी को 1000 अंक हासिल करने में 24 सेशन लगे। लेकिन देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट आई है। कंपनी पर 32,000 करोड़ रुपये से अधिक जीएसटी चोरी का आरोप लगा है। डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस इस मामले की जांच कर रहा है। कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 1868.05 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1845.40 रुपये पर खुला।

मजबूत वैश्विक संकेतों से घरेलू शेयर बाजार में तेजी आई है। अमेरिका के फेड रिजर्व ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है और सितंबर में रेट कट का संकेत दिया है। इससे अमेरिकी शेयर बाजारों में पिछले सत्र में तेजी रही। इससे सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 388 अंक यानी 0.47 फीसदी तेजी के साथ 82,129.49 अंक पर पहुंच गया। निफ्टी 50 भी 127 अंक यानी 0.50 फीसदी तेजी के साथ 25,078.30 अंक पर पहुंच गया। ब्रॉडर मार्केट में भी तेजी दिख रही है। निफ्टी स्मॉलकैप में 0.44 फीसदी और मिडकैप में 0.35 परसेंट तेजी आई है। सेक्टरवाइज बात करें तो निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा 1.55 फीसदी तेजी आई है जबकि ऑयल एंड गैस में 0.64 फीसदी तेजी आई है।

किन शेयरों में आई तेजी

सेंसेक्स के शेयरों में मारुति सुजुकी, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड और अडानी पोर्ट्स में सबसे ज्यादा तेजी रही। इन शेयरों में एक से लेकर 3.5 फीसदी तेजी आई है। दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट और सन फार्मा में गिरावट रही। टाटा स्टील के शेयरों में दो फीसदी से अधिक तेजी रही जबकि कोल इंडिया का शेयर तीन फीसदी उछल गया। इन दोनों कंपनियों का जून तिमाही में शानदार प्रदर्शन रहा। टाटा स्टील का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 51 फीसदी की उछाल के साथ 960 करोड़ रुपये पहुंच गया।

सीआईआई के कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

'बीते दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले'

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन में 'विकसित भारत की यात्रा: केंद्रीय बजट 2024-25 के बाद का सम्मेलन' के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। यह कार्यक्रम कॉन्फेडेरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) की ओर से आयोजित किया गया है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, ' मेरा देश कभी पीछे नहीं हट सकता। मैं सीआईआई का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मुझे याद है पैंडेमिक के समय आप बहुत चिंता कर रहे थे। हर चर्चा के केंद्र के विषय रहता था गेटिंग ग्रोथ बैक। भारत बहुत ही जल्द विकास के पथ पर दौड़ेगा। आज भारत किस ऊंचाई पर है। आज भारत 8 प्रतिशत की रफ्तार से ग्रो कर रहा है। आज हम सभी डिस्कस कर रहे हैं, जर्नी टुवार्ड विकसित भारत। यह बदलाव सिर्फ सेंटिमेंट का नहीं है यह बदलाव कॉन्फिडेंस का है।' पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक ताकत है। और वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरे सबसे बड़े इकोनॉमिक पावर बन जाएगा। पीएम ने कहा, 'मैं जिस बिरादरी से आता हूं उस बिरादरी की पहचान बन गई है चुनाव से पहले जो बातें करते हैं चुनाव के बाद भुला देते हैं। मैं वैसा नहीं हूं। इसलिए मैं याद दिला देता हूं मैंने कहा था मेरे तीसरे टर्म में देश तीसरे नंबर की इकोनॉमी बनेगा। भारत बहुत सधे हुए कदमों से लगातार आगे बढ़ रहा है। 2014 में जब आपने हमें सेवा करने का अवसर दिया तब सबसे बड़ा प्रश्न यही था इकोनॉमी को कैसे वापस पटरी पर लाएं। 2014 से पहले ही फ्रेजाइल फाइव वाली स्थिति और लाखों करोड़ों के घोटाले के बारे में यहां हर कोई पता है। इकोनॉमी की क्या स्थिति थी इसकी बारीकियां सरकार ने श्वेत पत्र जारी के बताई है। मैं उसके विस्तार में नहीं जाऊंगा।' पीएम ने दावा किया कि हम भारत को उस महासंकट से निकाल कर इस ऊंचाई पर लाए हैं। बजट 16 लाख से 48 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कैपेक्स जिसे रिसोर्स इन्वेस्टमेंट कहा जाता है यूपीए सरकार के पहले बजट में कैपेक्स के लिए 90 हजार करोड़ था, इस साल सरकार चलने के बाद 2014 में यह बजट 2 लाख करोड़ रुपये था। आज कैपेक्स 11 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा है।

एनबीसीसी के डीजीएम भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार, सीबीआई ने की कार्रवाई

नई दिल्ली। एजेंसी

सीबीआई ने एनबीसीसी के एक उप महाप्रबंधक को एक ठेकेदार से पांच लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है, अधिकारियों ने गुरुवार को कहा। उन्होंने कहा कि लद्दाख में तैनात आरोपी डीजीएम वरुण पोपली ने ठेकेदार से कथित तौर पर 11 लाख रुपये की मांग की थी। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान, वह कथित तौर पर दिल्ली में 5 लाख रुपये का आंशिक भुगतान करने के लिए सहमत हो गया। उन्होंने कहा कि बुधवार शाम को जब वह कथित तौर पर रिश्वत ले रहा था, तब उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एनबीसीसी एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जिसे पहले राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के नाम से जाना जाता था।

भारत के पास 1.5 करोड़ टन कोयला निर्यात करने की क्षमता, वैश्विक मांग का लाभ उठाने की तैयारी

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत के पास नेपाल और बांग्लादेश जैसे अपने पड़ोसी देशों को 1.5 करोड़ टन कोयला निर्यात करने की क्षमता है। एक अध्ययन में यह बात कही गई है। निर्यात को बढ़ावा देकर, घरेलू उत्पादन में वृद्धि करके और आयात प्रतिस्थापन को सुविधाजनक बनाकर देश का लक्ष्य आत्मनिर्भरता हासिल करना, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और कोयला क्षेत्र की वृद्धि का समर्थन देना है।

कोयला मंत्रालय ने सोमवार को बयान में कहा, ''' भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद (आईआईएम-अहमदाबाद) द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, पड़ोसी देशों को 1.5 करोड़ टन निर्यात की संभावना मौजूद है।'' देश में बांग्लादेश को 80 लाख टन, म्यांमा को 30 लाख टन, नेपाल को 20 लाख टन और अन्य देशों को 20 लाख टन कोयला निर्यात करने की क्षमता है। कोयले के उत्पादन तथा निर्यात में बढ़ोतरी से आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और सरकार का राजस्व में बढ़ेगा।

सरकार जीवाश्म ईंधन की बढ़ती वैश्विक मांग का लाभ उठाने के लिए कोयला निर्यात को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। इस पहल का उद्देश्य देश को अंतरराष्ट्रीय कोयला बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करना, राजस्व उत्पन्न करना और इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर उत्पन्न करना है।

टोयोटा का बड़ा प्लान, महाराष्ट्र में 20000 करोड़ के निवेश से लगाएगी नया प्लांट

नई दिल्ली। एजेंसी

वाहन निर्माता टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बुधवार को कहा की वह महाराष्ट्र में लगभग 20,000 करोड़ रुपए के निवेश से एक नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट (Manufacturing Plant) शुरू करेगी। नए प्लांट के शुरू होने के बाद से कंपनी की गाड़ियों पर वेटिंग कम हो सकती है। ऊख्श ने एक बयान में बताया कि महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की स्थापना के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

पहले से 2 मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट मौजूद

TKM की पहले से ही बेंगलुरु के पास बिडदी में दो विनिर्माण इकाइयां मौजूद हैं जिनकी स्थापित उत्पादन क्षमता 3.42 लाख वाहन की है। कर्नाटक में टोयोटा ने अपनी समूह कंपनियों को मिलाकर 16,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है और इससे करीब 86,000 नौकरियां पैदा हुई हैं। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में संयंत्र के लिए 20,000 करोड़ रुपए के निवेश की जानकारी दी।

महाराष्ट्र में पैदा होंगी नौकरियां

टीकेएम के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मसाकाजू योशिमुरा ने कहा, ''इस श्ढळ के साथ हम भारत में वृद्धि के अगले चरण में कदम रख रहे हैं। इससे हम स्थानीय और वैश्विक स्तर पर गुणवत्तापूर्ण वाहनों के साथ जीवन को समृद्ध बनाने में योगदान दे सकेंगे।'' कई वर्षों में किए जाने वाले इस निवेश से स्थानीय इलाके में रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इससे स्थानीय विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

कर्नाटक में शुरू किया प्लांट

बीते साल कंपनी ने कर्नाटक में मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट खोलने का ऐलान किया था। इसके लिए कंपनी ने 3300 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की थी। इस प्लांट के जरिए 1 लाख यूनिट्स सालाना बनाने की क्षमता है।

IOC का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 81% घटकर 2,643 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (छ्ण) के चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही के शुद्ध लाभ में 81 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई है। रिफाइनरी तथा विपणन लाभ में कमी तथा सरकार नियंत्रित दरों पर घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की लागत से कम दाम पर बिक्री की वजह से कंपनी का मुनाफा घटा है।

IOC ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ 2,643.18 करोड़ रुपए रहा है, जो एक साल पहले समान तिमाही में 13,750.44 करोड़ रुपए था। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी ने 11,570.82 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। इस तरह जनवरी-मार्च तिमाही की तुलना में भी कंपनी के मुनाफे में बड़ी गिरावट आई है।

कंपनी ने समीक्षाधीन तिमाही में प्रत्येक बैरल कच्चे तेल को ईंधन में बदलने पर 6.39 अमेरिकी डॉलर कमाए। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का सकल रिफाइनिंग मार्जिन 8.34 डॉलर प्रति बैरल था। डाउनस्ट्रीम ईंधन खुदरा कारोबार से कर-पूर्व आय 77 प्रतिशत घटकर 4,299.96 करोड़ रुपए रह गई। छ्ण से पहले BPCL और HPCL की कमाई में भी पहली तिमाही में गिरावट आई है। इसके अलावा, आईओसी को इस तिमाही में 5,156.23 करोड़ रुपए की LPG सब्सिडी का भुगतान भी नहीं किया गया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के आदेश के अनुसार, जब थ्श्ठ सिलेंडर का बाजार निर्धारित मूल्य (एमडीपी) ग्राहक के लिए उसकी प्रभावी लागत (ईसीसी) से कम होता है, तो पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) को भविष्य में समायोजन के लिए अंतर को एक अलग 'बफर' खाते में रखना होता है। आईओसी ने कहा, ''हालांकि, 30 जून 2024 तक कंपनी के पास 5,156.53 करोड़ रुपए का संचयी शुद्ध नकारात्मक 'बफर' था, क्योंकि खुदरा बिक्री मूल्य एमडीपी से कम था।'' सरकार को सब्सिडी के माध्यम से इसकी पूर्ति करनी है।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई में धीमी रही

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई माह में थोड़ी धीमी रही। इसके पीछे नए ठेकों और उत्पादन की धीमी गति मुख्य कारण रही। वहीं, लागत दबाव और मांग में मजबूती के चलते अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (इश्ध्) जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है।

HSBC के मुख्य भारत अर्थशास्त्री का बयान

HSBC के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''भारत के मुख्य विनिर्माण इश्ध् में जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही लेकिन अधिकतर घटकों के मजबूत स्तर पर बने रहने के कारण यह छोटी गिरावट चिंता का कारण नहीं है।'' भारतीय विनिर्माताओं ने जून से मंदी के बावजूद नए ठेकों में पर्याप्त वृद्धि की सूचना दी।

अंतरराष्ट्रीय बिक्री और मांग

एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया में स्थित ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती की भी खबर है। भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत वृद्धि का अनुभव किया। सर्वेक्षण के अनुसार, विस्तार की समग्र दर उल्लेखनीय रही और 13 वर्षों में दूसरी सबसे मजबूत थी। कीमतों के मोर्चे पर, मांग में उछाल ने भी कीमतों पर दबाव डाला। कच्चे माल की लागत में करीब दो वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई, जिसने अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे तेज वृद्धि में योगदान दिया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को इश्ध् ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

Startups में युवाओं को मिल रही ढेरों नौकरियां

1.4 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स ने 15.5 लाख लोगों को किया हायर

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत तेजी से ग्लोबल का हब बनता जा रहा है, जिससे युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश में सरकारी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप ने अब तक 15.5 लाख से अधिक नौकरियां सृजित की हैं। पिछले एक दशक में स्टार्टअप कल्चर (Startup Culture) को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (DPIIT) ने 1,40,803 स्टार्टअप की पहचान की है।

शहरी एवं ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को मिला रोजगार

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम एंटरप्राइजेज (MSMEs) ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) को लागू किया है। इस योजना का उद्देश्य उद्योगपतियों को गैर-कृषि क्षेत्र में नए एंटरप्राइजेज स्थापित करने में सहायता प्रदान करना है। इसके तहत पारंपरिक कारीगरों और शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। इस योजना की शुरुआत से अब तक 9.69 लाख सूक्ष्म एंटरप्राइजेज को 25,500 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्रदान की जा चुकी है और इन एंटरप्राइजेज ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 79 लाख लोगों को रोजगार दिया है।

Startups में विदेशी फंडिंग बढ़ेगी

मंत्रालय की ओर से अगले दो वित्त वर्ष में (2024-25 और 2025-26) 1.6 लाख नए एंटरप्राइजेज सेटअप (Enterprises Setup) करने की योजना बनाई गई है। इससे 12.8 लाख लोगों को रोजगार (employment) मिलने की संभावना है। बता दें, आम बजट 2024-25 में सरकार ने एंजेल टैक्स को हटा दिया है। इसके हटने से स्टार्टअप में विदेशी फंडिंग बढ़ेगी।

पेनल्टी, ब्याज, जेल... ITR नहीं भरा है तो क्या-क्या हो सकता है आपके साथ

नई दिल्ली। एजेंसी

फाइनेंशियल ईयर 2023-24 के लिए आईटीआर (छ्ढ़ं) फाइल करने की डेडलाइन खत्म हो चुका है। हालांकि, बिलेटेड रिटर्न 31 दिसंबर तक दाखिल किया जा सकता है। आयकर अधिनियम की धारा 139 (4) के अनुसार, 31 जुलाई की नियत तिथि के बाद दाखिल किए गए छ्ढ़ं को बिलेटेड रिटर्न कहा जाता है। सवाल है कि जो टैक्सपेयर्स 31 जुलाई तक की डेडलाइन तक आईटीआर भरने से चूक गए हैं, उनका क्या होगा? ITR फाइल न करने के कई परिणाम हो सकते हैं। इसमें पेनल्टी से लेकर ब्याज और जेल समय तक शामिल है। आइए डेडलाइन तक छ्ढ़ं फाइल न करने के छह परिणामों पर एक नजर डालते हैं।

लेट फीस

31 जुलाई की डेडलाइन के बाद छ्ढ़ं फाइल करने पर आपसे लेट फीस वसूल की जाएगी। आईटी एक्ट की धारा 234F के तहत, अगर आप समयसीमा तक अपना छ्ढ़ं फाइल नहीं करते हैं, तो आपसे 5,000 रुपये की लेट फीस ली जा सकती है। हालांकि अगर आपकी सालाना इनकम 5 लाख रुपये से कम है, तो आपसे केवल 1,000 रुपये लेट फीस ली जाएगी। हालांकि अगर आपकी इनकम बेसिक छूट सीमा से कम है तो आपसे कोई लेट फीस नहीं वसूली जाएगी। साथ ही अगर आप कानूनी रूप से आईटीआर भरने के लिए बाध्य नहीं हैं और अपनी मर्जी से ऐसा कर रहे हैं तो आपसे भी लेट फीस नहीं वसूली जाएगी।

ब्याज

आईटी कानून की धारा 234A के अनुसार, यदि आप समय पर अपने करों का भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो आपको 1इ प्रति माह की दर से अनपेड टैक्स अमाउंट पर ब्याज का भुगतान करना होगा। ब्याज की गणना उस समय से की जाती है जब आप लागू वित्तीय वर्ष के लिए अपना कर रिटर्न दाखिल करते हैं। उस समय से लेकर डेडलाइन तक कैल्कुलेशन किया जाता है।

कैरी फॉरवर्ड लॉस

यदि आयकर रिटर्न डेडलाइन से पहले दाखिल किया जाता है, तो नुकसान को भविष्य के वर्षों में ले जाया जा सकता है। इस नुकसान को आपकी भविष्य की आय से ऑफसेट किया जा सकता है। हालांकि, यदि छ्ढ़ं डेडलाइन के बाद दाखिल किया जाता है, तो आप लॉसेज को कैरी फॉरवर्ड नहीं कर सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति डेडलाइन की समाप्ति के बाद आयकर रिटर्न दाखिल करता है, तो वह अन्य स्रोतों से आय, पूंजीगत लाभ से आय और सट्टा व्यवसाय सहित व्यवसाय और पेशे से आय को कैरी फॉरवर्ड नहीं कर सकता है।

रिफंड में देरी

आईटीआर देरी से भरने पर रिफंड में भी देरी होगी। रिफंड तभी मिलेगा जब आईटीआर फाइल होगा और यह वेरिफाई होगा।

टैक्स रिजीम

जिन टैक्सपेयर्स के लिए आईटीआर भरने की डेडलाइन 31 जुलाई थी उनके लिए अब पुराना टैक्स रिजीम चुनने का विकल्प नहीं होगा। इसके परिणामस्वरूप नए टैक्स रिजीम के तहत टैक्स का बोझ अधिक होगा। वे कटौती और छूट का दावा नहीं कर सकते। मौजूदा आयकर कानूनों के अनुसार, नई कर व्यवस्था डिफॉल्ट टैक्स रिजीम है। इंडिविजुअल टैक्सपेयर्स के पास पुराने टैक्स रिजीम में स्विच करने का विकल्प था लेकिन अब नहीं है।

जेल की सजा

Aekom Legal में पार्टनर लोकेश ध्यानी कहते हैं कि इनकट टैक्स एक्ट के तहत अगर आपने आईटीआर नहीं भरा या आप टैक्स नहीं देते हैं तो आपको जेल की हवा खानी पड़ सकती है। कानून में साफ कहा गया है कि रिटर्न दाखिल नहीं करने, इनकम छिपाने और फर्जी दावे करने पर जेल की सजा का प्रावधान है। अगर आपकी टैक्स देनदारी 25,000 रुपये से अधिक है तो आपको छह महीने से सात साल तक की सजा हो सकती है। साथ ही जुर्माना भी देना पड़ सकता है। इसी तरह अगर आपकी टैक्स देनदारी 25,000 रुपये से कम है तो आपको तीन महीने से दो साल तक की कड़ी सजा हो सकती है। साथ ही फाइन भी देना पड़ सकता है।

LTCG से सरकार ने बनाया कमाई का रिकॉर्ड, खजाने में आए 98,681 करोड़

नई दिल्ली। एजेंसी

जिस कैपिटल गेंस टैक्स (Capital Gains Tax) में इजाफे को लेकर बवाल मचा हुआ है, उसी टैक्स से सरकार ने एक साल में 98,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की है। इस बात की जानकारी खुद वित्त राज्य मंत्री ने संसद में दी है। बजट 2024 में सरकार ने इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड की यूनिट में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स (LTCG) में इजाफा किया है। वहीं टैक्स में छूट में भी बढ़ौतरी की है। उसके बाद शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के बीच इस फैसले के प्रति काफी विरोध हो रहा है। खास बात तो यह है कि वित्त राज्य मंत्री ने इस टैक्स को खत्म करने के सवाल पर कहा कि इसकी भविष्य में कोई प्लानिंग नहीं है। इसका मतलब है कि शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को ज्यादा टैक्स का भुगतान करना होगा।

कमाई में 15% इजाफा

सरकार ने 2022-23 में लिस्टिड इक्विटी पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स से 98,681 करोड़ रुपए जुटाए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 फीसदी अधिक है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में वित्त वर्ष 2018-19 और 2022-23 के बीच थ्ऊण्ड टैक्स से कलैक्शन का ब्यौरा दिया। इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड की यूनिट्स पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस अप्रैल 2018 से लाया गया था। इस तरह के लाभ पर 10 फीसदी कर लगाया गया था, जिसमें सालाना 1 लाख रुपए तक के लाभ पर छूट दी गई थी।

कितनी हुई कमाई

संसद में शेयर की गई डिटेल के अनुसार 2022-23 में थ्ऊण्ड से 98,681.34 करोड़ रुपए कलैक्ट किए गए, जो कि 2021-22 वित्तीय वर्ष में कलैक्शन के मुकाबले 86,075.49 करोड़ रुपए से 15 फीसदी अधिक है। 2020-21 में कलैक्शन लगभग 38,589 करोड़ रुपए, 2019-20 में 26,008 करोड़ रुपए और 2018-19 में 29,220 करोड़ रुपए था। इस सवाल पर कि क्या सरकार 2024-25 के दौरान इक्विटी/म्यूचुअल फंड पर थ्ऊण्ड टैक्स खत्म करने पर विचार कर रही है, चौधरी ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

बजट में बढ़ाया गया टैक्स

23 जुलाई को घोषित 2024-25 के बजट में इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड पर थ्ऊण्ड टैक्स 10 से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया। छूट की सीमा भी पहले के 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए कर दी गई। लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स की कैलकुलेशन तब की जाती है जब इक्विटी की होल्डिंग अवधि 12 महीने से अधिक हो। इस फैसले के बाद शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। सरकार का अनुमान है कि इससे सरकार को आने वाले दिनों में ज्यादा कमाई हो सकती है।

टाटा मोटर्स ने तकनीशियनों के बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए

'विद्याधन' और 'उत्कर्ष' कार्यक्रम लॉन्च किए

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इंदौर। भारत के प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता टाटा मोटर्स ने देश भर की अपनी फैक्ट्रियों में काम कर रहे। तकनीशियनों के बच्चों की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए दो विशेष फंडिंग प्रोग्राम 'विद्याधन' और 'उत्कर्ष' को लॉन्च किया है। इन फैक्ट्रियों में पुणे, लखनऊ, जमशेदपुर, धारवाड़ा, सानंद और पंतनगर क्षेत्रों में स्थित फैक्ट्रियां शामिल हैं। कंपनी बच्चों की आकांक्षाओं और उन्हें शिक्षा तक पहुंच मिलने के बीच मौजूद अंतर को कम करने की लगातार कोशिश कर रही है। 'विद्याधन' कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की उच्च शिक्षा में परिवार की आर्थिक मदद करने के लिए एजुकेशन लोन दिया जाएगा। 'उत्कर्ष' में लड़कियों, ट्रांसजेंडर्स और दिव्यांग बच्चों को सालाना स्कॉलरशिप की पेशकश के अलावा अतिरिक्त लाभ मिलेगा। टाटा मोटर्स के चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर (सीएचआरओ) श्री सीताराम कांडी ने 'विद्याधन' और 'उत्कर्ष' कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा करते हुए कहा, 'क्वॉलिटी एजुकेशन जीवन में आगे बढ़ने और विकास के लिए जरूरी है। इन प्रोग्राम्स से हम उच्च शिक्षा की ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच बना रहे हैं। इससे हम अपने मेहनती तकनीशियनों के बच्चों को अपने और अपने माता-पिता के अरमानों को पूरा करने में सक्षम बना रहे हैं। 10 और 12वीं पास बच्चे अपने पसंद के किसी भी क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए उनके माता-पिता को पैसों की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। उनके पास सही योग्यता और कौशल के साथ सफल कॅरियर बनाने और एक अच्छा जीवन जीने के बेहतर अवसर होंगे।''

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

सभी पेमेंट एवं फिनटेक ऑफरिंग्स को साथ लाया फ्लिपकार्ट पे

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों को बड़ी सहूलियत देते हुए भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने फाइनेंशियल एवं पेमेंट ऑफरिंग्स से जुड़ी अपनी सभी सेवाओं को अपने एप पर फ्लिपकार्ट पे के अंतर्गत एक साथ लाने की घोषणा की है। नए फिनटेक प्लेटफॉर्म को ग्राहकों का जुड़ाव बेहतर करने और उन्हें पेमेंट का सुगम अनुभव प्रदान करने के लक्ष्य के साथ डिजाइन किया गया है। 'फ्लिपकार्ट पे - पे, सेव एंड अर्न' की टैगलाइन के साथ फ्लिपकार्ट पे से ग्राहकों का अनुभव बेहतर होगा और यह ग्राहकों के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन बनकर सामने आएगा, जिससे वे सहूलियत के साथ फ्लिपकार्ट की सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। 2013 में गिफ्ट कार्ड की लॉन्चिंग के साथ फिनटेक सर्विस में कदम रखने के बाद से फ्लिपकार्ट लगातार अपने फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स को विस्तार दे रहा है जिससे भुगतान के आसान विकल्पों तक पहुंच को सहज बनाया जा सके। फ्लिपकार्ट एक्सिस बैंक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड की लॉन्चिंग के साथ इस सफर को आगे बढ़ाया गया, जिसे आज 40 लाख से ज्यादा लोग प्रयोग कर रहे हैं। अपने आकर्षक रिवाड्र्स एवं सेविंग्स बेनिफिट के कारण यह को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लोगों के पसंदीदा क्रेडिट कार्ड्स में शामिल हो गया है। शॉपिंग के संपूर्ण अनुभव को बेहतर करने की प्रतिबद्धता के साथ फ्लिपकार्ट ने फ्लिपकार्ट पे लेटर की शुरुआत की, जिससे ग्राहकों को ईएमआई के माध्यम से भुगतान करने का आसान विकल्प मिलता है।

इन्फोसिस पर 32,403 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का आरोप

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस को लगभग 32,403 करोड़ रुपये कथित जीएसटी चोरी को लेकर नोटिस मिला है। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि कर्नाटक राज्य जीएसटी प्राधिकरण ने लगभग 32,403 करोड़ रुपये जीएसटी भुगतान को लेकर नोटिस दिया है। यह मामला जुलाई, 2017 से मार्च, 2022 के बीच का है। यह इन्फोसिस लिमिटेड के विदेशों में स्थित शाखा कार्यालयों के खर्चों से संबंधित है। दस्तावेजों के मुताबिक कंपनी पर सर्विसेज इंपोर्ट करने पर आईजीएसटी नहीं चुकाने का आरोप है। कंपनी ने कहा कि उसने नोटिस का जवाब दे दिया है।

इन्फोसिस के अनुसार कंपनी को इसी मामले पर जीएसटी इंटेलिजेंस के डीजी से भी कारण बताओ नोटिस मिला है और कंपनी इसका जवाब देने की प्रक्रिया में है। कंपनी का मानना है कि नियमों के मुताबिक ऐसे खर्चों पर जीएसटी लागू नहीं होता है। इन्फोसिस ने कहा, 'इसके अलावा, जीएसटी परिषद की सिफारिशों पर केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के एक हाल के परिपत्र के अनुसार विदेशी शाखाओं द्वारा भारतीय इकाई को प्रदान की जाने वाली सेवाएं जीएसटी के अंतर्गत नहीं आती हैं।'

कंपनी का शेयर

कंपनी ने कहा कि उसने अपने सभी जीएसटी बकाया का भुगतान कर दिया है और इस मामले पर केंद्र और राज्य के नियमों का पूरी तरह से अनुपालन कर रही है। यह पहला मौका नहीं है जब कंपनी का जीएसटी विभाग से विवाद हुआ है। अप्रैल में ओडिशा जीएसटी अथॉरिटी ने कंपनी पर गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने पर 1.46 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। बुधवार को कंपनी का शेयर 0.48ƒ गिरावट के साथ 1868.05 रुपये पर बंद हुआ। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,903.00 रुपये है। टीसीएस के बाद इन्फोसिस देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी है।

लगातार चार महीने सस्ता होने के बाद महंगा हुआ LPG सिलेंडर, जानिए कितनी पहुंच गई है कीमत

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकारी तेल कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी की है। यह 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर में की गई है। दिल्ली में अब इसकी कीमत 1652.50 रुपये हो गई है जो पिछले महीने 1646 रुपये थी। इस तरह इसकी कीमत में 6.5 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। कोलकाता में अब इसकी कीमत 1764.50 रुपये, मुंबई में 1605 रुपये और चेन्नई में 1817 रुपये हो गई है। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। इससे पहले लगातार चार महीने इसकी कीमत में कटौती की गई थी। हालांकि घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में बिना सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 803 रुपये बनी हुई है।

19 किलो वाले सिलेंडर को हलवाई इस्तेमाल करते हैं। इसकी कीमत में बढ़ोतरी के बाद बाहर खाना-पीना महंगा हो सकता है। इससे पहले लगातार चार महीने इसकी कीमत में कटौती की गई थी। 1 जुलाई को इसकी कीमत में 30 रुपये की कटौती की गई थी। इसी तरह 1 जून को इसकी कीमत में 69.5 रुपये की भारी कटौती की गई थी। उससे पहले 1 मई को भी कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट 19 रुपये कम किया गया था। 1 अप्रैल को इसमें 30.5 रुपये की कटौती हुई थी। उससे पहले फरवरी और मार्च में एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़ी थी।

रसोई गैस की कीमत

इस बीच घरों में इस्तेमाल होना वाले 14.2 किलो के सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें आखिरी बार बदलाव आम चुनावों से पहले नौ मार्च को हुआ था। तब सरकार ने इसकी कीमत में 200 रुपये की कटौती की थी। दिल्ली में अभी रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 803 रुपये, कोलकाता में 829 रुपये, मुंबई में 802.50 रुपये और चेन्नई में 818.50 रुपये है। इस बीच कच्चे तेल की कीमत में आज भारी तेजी दिख रही है। बेंचमार्क क्रूड 2.66 परसेंट यानी 2.09 डॉलर की तेजी के साथ 80.72 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर ट्रेड कर रहा है।

पीबीपार्टनर्स द्वारा मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा के विस्तार में काफ़ी वृद्धि दर्ज की गई

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे टियर 2 और 3 शहरों के ग्राहकों के बीच बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ने से इस क्षेत्र में वृद्धि दर्ज हुई है। पॉलिसीबाज़ार इंश्योरेंस ब्रोकर्स के तहत ब्रांड, पीबीपार्टनर्स अपने विशिष्ट पॉइंट ऑफ़ सेल पर्सन (PoSP) मॉडल के साथ बीमा उद्योग में नए मानक स्थापित कर रहा है। कंपनी ने हाल ही में इंदौर में एक प्रेस मीट आयोजित की, जिसमें मध्य प्रदेश में नवीनतम स्वास्थ्य बीमा ख़रीद रुझानों और इस सेगमेंट में देखी गई उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में नीरज अधाना, नेशनल सेल्स हेड - हेल्थ इंश्योरेंस, और गौरव गोस्वामी, बिजनेस यूनिट हेड - हेल्थ इंश्योरेंस, के साथ-साथ पीबीपार्टनर्स के अन्य वरिष्ठ लीडर शामिल हुए। मध्य प्रदेश में, स्वास्थ्य बीमा उत्पादों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रमुख रूप से, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे टियर 2 और टियर 3 शहरों के ग्राहक सक्रिय रूप से व्यापक स्वास्थ्य बीमा कवरेज की मांग कर रहे हैं। एक प्रमुख बाजार के रूप में, मध्य प्रदेश में 16,000 से अधिक सक्रिय एजेंट एजेंट पार्टनर्स है, जबकि अकेले इंदौर में 5,000 से अधिक इफ्इ एजेंट पार्टनर्स का एक ठोस नेटवर्क है - जो मध्य भारत में बीमा अपनाने में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

भारतीय बैंकों पर बड़ा साइबर हमला, 300 के पेमेंट सिस्टम अस्थायी रूप से बंद

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय बैंकों पर बड़ा साइबर अटैक हुआ है। लगभग 300 छोटे बैंकों को देश के बड़े पेमेंट नेटवर्क से अलग कर दिया गया है। ऐसा इसलिए ताकि हमले के बाद किसी भी बड़े खतरे को रोका जा सके। यह साइबर हमला एक ऐसी कंपनी पर हुआ है जो इन बैंकों को टेक्नोलॉजी सेवाएं देती है। इससे इन बैंकों के पेमेंट सिस्टम अस्थायी रूप से बंद हो गए हैं। यह जानकारी सीधे तौर पर मामले से जुड़े दो सूत्रों ने रॉयटर्स को दी। यह साइबर हमला 'सी-एज टेक्नोलॉजीज' नाम की कंपनी पर हुआ है। कंपनी देशभर के छोटे बैंकों को बैंकिंग टेक्नोलॉजी सिस्टम उपलब्ध कराती है। रॉयटर्स ने 'सी-एज टेक्नोलॉजीज' से इस बारे में ईमेल के जरिये प्रतिक्रिया मांगी, लेकिन कंपनी ने कोई जवाब नहीं दिया। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने भी रॉयटर्स के ईमेल का कोई जवाब नहीं दिया।

NPCI ने दी यह जानकारी

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (ऱ्झ्ण्घ्) भुगतान प्रणालियों की देखरेख करने वाली संस्था है। ऱ्झ्ण्घ् ने बुधवार देर रात एक सार्वजनिक सूचना जारी कर कहा कि उसने 'सी-एज टेक्नोलॉजीज' को ऱ्झ्ण्घ् की ओर से संचालित खुदरा भुगतान प्रणाली तक पहुंचने से अस्थायी रूप से अलग कर दिया है।

पेमेंट नेटवर्क को किया गया अलग

एक रेगुलेटर अथॉरिटी के अधिकारियों ने बताया कि लगभग 300 छोटे बैंकों को देश के व्यापक भुगतान नेटवर्क से अलग कर दिया गया है। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि साइबर हमले का असर और न फैले। सूत्रों में से एक ने कहा, 'इनमें से ज्यादातर छोटे बैंक हैं और देश के भुगतान तंत्र की मात्रा का लगभग 0.5% ही प्रभावित होगा।'

भारत में लगभग 1,500 सहकारी और क्षेत्रीय बैंक हैं, जिनका संचालन ज्यादातर बड़े शहरों के बाहर होता है। सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि इनमें से कुछ बैंक प्रभावित हुए हैं। दूसरे सूत्र ने कहा कि NPCI यह सुनिश्चित करने के लिए एक ऑडिट कर रहा है कि हमला और न फैले। बैंकिंग उद्योग के सूत्रों ने बताया कि RBI और भारतीय साइबर अधिकारियों ने पिछले कुछ हफ्तों में भारतीय बैंकों को संभावित साइबर हमलों के बारे में चेतावनी दी थी।

सस्ते में मिलेंगे लैपटॉप, भारत के इस शहर में लैपटॉप फैक्ट्री लगा रही है डिक्सन

नई दिल्ली। एजेंसी

अब आपको सस्ते में ही वर्ल्ड क्वालिटी का लैपटॉप मिल जाएगा। जी हां, इलेक्ट्रॉनिक्स कांट्रेक्ट मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी डिक्सन टेक्नोलॉजीज (Electronics contract manufacturer Dixon Technologies) चेन्नई में एक नई फैक्ट्री खोलने के करीब है। उस फैक्ट्री में कंपनी देश के शीर्ष पांच नोटबुक ब्रांडों में से चार के लिए लैपटॉप बनाएगी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि चैन्नई की लैपटॉप फैक्ट्री अगले 8 से 10 महीनों में चालू हो जाएगी।

साइट तय किया जा चुका है

डिक्सन टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डाइरेक्टर अतुल बी. लाल ने हमारे सहयोगी ईटी (ET) से बातचीत में बताया 'हमारे पास देश में संचालित शीर्ष पांच ब्रांडों में से शीर्ष चार ग्राहक हैं। इसके लिए, चेन्नई में एक नई साइट की योजना बनाई जा रही है। साइट की पहचान कर ली गई है और जरूरी रिसोर्स भी जुटा लिए गए हैं।'

जैसा मोबाइल में किया वैसा ही लैपटॉप में भी

लाल ने बताया 'हमारा लक्ष्य अगले 8 से 10 महीनों में चेन्नई में यह फेसिलिटी शुरू करना है। इसलिए यह भी हमारे ग्रोथ का एक बहुत ही महत्वपूर्ण इंजन बनने जा रहा है। टीम मोबाइल के मोर्चे पर जो करने में सक्षम रही है, हम आईटी प्रोडक्ट्स के लिए भी वही करने की इच्छा रखते हैं,'।

एसर और लेनोवो हैं इनके ग्राहक

डिक्शन इस समय देश की सबसे बड़ी कांट्रेक्ट मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों में से एक है। कंपनी पहले से ही एसर के लिए नोटबुक बना रही है और उसने लेनोवो लैपटॉप के लिए एनपीआई (New Product Introduction) प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसका बड़े पैमाने पर उत्पादन वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में शुरू होने वाला है।

10 बिलियन डॉलर का है बाजार

लाल का कहना है कि भारत में आईटी उत्पादों के लिए एड्रेसेबल मार्केट करीब 10 बिलियन डॉलर का है। उल्लेखनीय है कि बीते जून की तिमाही में डिक्सन ने 6,588 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया था। यह सालाना आधार पर 101% की वृद्धि है। इसके साथ ही कंपनी के शुद्ध लाभ में 109% की सालाना वृद्धि है। बीती तिमाही में यह 140 करोड़ रुपये रही, जिसमें से अधिकांश कंपनी के मोबाइल और ईएमएस (Electronics Manufacturing Services) डिवीजन से आया।

डिजिटल क्रांति में भारत सबसे आगे

ऑनलाइन लेनदेन में तेजी, देश में 8011 फिनटेक कंपनियां

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत डिजिटल क्रांति के मोर्चे पर दुनिया में सबसे आगे है। देश ने डिजिटल भुगतान में तेजी लाकर न सिर्फ वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) को अपनाया है बल्कि इसे अपनाने में दुनिया की अगुवाई कर रहा है। आरबीआई की ताजा करेंसी एंड फाइनेंस 2023-24 रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में फिनटेक को अपनाने की दर सबसे ज्यादा 87 फीसदी है। यह दर 64 फीसदी के वैश्विक औसत से 23 फीसदी अधिक है। 22 जुलाई, 2024 तक देश में फिनटेक कंपनियों की संख्या बढ़कर 8,011 पहुंच गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने की सरकार की कोशिशों की बदौलत भारतीय फिनटेक कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इसका अंदाजा फिनटेक कंपनियों के बढ़ते राजस्व से लगाया जा सकता है। 2030 तक फिनटेक कंपनियों का राजस्व 11.17 गुना बढ़कर 190 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। 2022 में यह आंकड़ा 17 अरब डॉलर रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय फिनटेक कंपनियों को जनवरी, 2018 से दिसंबर, 2023 के बीच करीब 27 अरब डॉलर की फंडिंग मिली है। इसमें घरेलू और विदेशी फंडिंग दोनों शामिल है।

डिजिटल क्रांति की कहानी बताते आंकड़े

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जिसकी आबादी सबसे ज्यादा डिजिटली कनेक्टेड है। यही आबादी भारत की डिजिटल क्रांति की मजबूत स्तंभ बनकर खड़ी है।

आंकड़ों को समझें...

42.4 करोड़ यूपीआई यूनिक यूजर्स
95.4 करोड़ इंटरनेट सब्सक्रिप्शन
46.7 करोड़ सोशल मीडिया यूजर्स
116.5 करोड़ वायरलेस सब्सक्रिप्शन
75.0 करोड़ स्मार्ट फोन यूजर्स
138 करोड़ आधार जारी हुए हैं

डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने में काफी मददगार

आरबीआई ने कहा, 84 फीसदी बैंक व 35 फीसदी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने के लिए फिनटेक से साझेदारी कर रही हैं। 92 फीसदी बैंकों और 60 फीसदी एनबीएफसी का मानना है कि फिनटेक का साथ डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने में मददगार साबित हो रहा है।

अर्थव्यवस्था को संगठित बनाने में मिली सहायता

2014 से अब तक 116 अरब से अधिक आधार आधारित और 20 अरब से ज्यादा ई-केवाईसी प्रमाणीकरण हुए हैं। इससे अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में मदद मिली है। जीएसटी नेटवर्क ने 1.4 करोड़ करदाताओं को जोड़ा है और 400 करोड़ से अधिक ई-वे बिल जारी किए जा चुके हैं।

डीबीटीः बचाए 3.4 लाख करोड़ रुपये

प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिये 2023-24 में 176 करोड़ लाभार्थियों को 6.9 लाख करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित किए गए हैं। इससे मार्च, 2023 तक करीब 3.4 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है।

ITR फाइल करने की डेडलाइन खत्म, अब आएगी इनकम टैक्स नोटिसेज की बाढ़!

नई दिल्ली। एजेंसी

एसेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए आईटीआर फाइल की डेडलाइन 31 जुलाई को खत्म हो गई है। लेकिन अगले एक महीने में इनकम टैक्स नोटिसेज की बाढ़ आ सकती है। आशंका जताई जा रही है कि रिएसेसमेंट के नए नियमों के चलते कई लोग टैक्स दायरे से बाहर हो सकते हैं। नए नियम सितंबर से लागू होंगे। रेवेन्यू अधिकारियों ने केंद्रीय अधिकारियों को सचेत किया है कि 1 सितंबर, 2024 से पहले पिछले कुछ वर्षों के पुराने टैक्स रिटर्न को फिर से खोलना लगभग असंभव होगा। बजट में घोषित संशोधित नियमों के मुताबिक अगर छिपाई गई रकम 50 लाख रुपये से अधिक है तो टैक्स अधिकारी टैक्सपेयर्स का पांच साल पुराना रेकॉर्ड ही दोबारा खंगाल सकता है। अब तक यह अवधि दस साल थी।। इसी तरह अगर छिपाई गई रकम रुपए 50 लाख से कम है तो टैक्स अधिकारी तीन साल पुराने मामले को ही खंगाल सकते हैं। आमतौर पर, टैक्स ऑफिस कार्यालय मार्च के आसपास पिछले वर्ष के लिए रिएसेसमेंट नोटिस भेजता था। अब, बजट में रिएसेसमेंट की अधिकतम अवधि को घटाकर पांच वर्ष कर दिया गया है, इसलिए टैक्स अधिकारियों के पास नोटिस भेजने के लिए केवल 31 अगस्त, 2024 तक का समय है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट बैंकों, प्रॉपर्टी

रजिस्ट्रार और इनवेस्टिगेशन विंग के इनपुट के आधार पर रिएसेसमेंट के केस बनाता है। उन्हें अगले कुछ हफ्तों में वित्तीय वर्ष 2013-14 से 2017-18 के लिए टैक्स और इनकम मिसमैच का डेटा खंगालना होगा। इसकी वजह यह है कि 1 सितंबर से इन वर्षों के आयकर रिटर्न को फिर से नहीं खोला जा सकेगा।

टैक्स अधिकारियों की समस्या

टैक्स अधिकारियों के एक संगठन ने सीबीडीटी के अध्यक्ष को दिए गए ज्ञापन में कहा कि एक महीने की अवधि के भीतर बड़ी संख्या में मामलों में धारा 148 (या 148ए) के तहत नोटिस जारी करना बहुत बड़ा काम होगा। रिएसेसमेंट के लिए नोटिस धारा 148 और 148ए के तहत भेजे जाते हैं। कानून टैक्सपेयर्स को अपनी बात रखने का अधिकार देता है। अधिकांश लोगों का मानना है कि यह प्रक्रिया अगस्त के अंत तक पूरी नहीं हो सकती। अधिकारियों ने सीबीडीटी से नए नियमों को लागू करने की तारीख आगे बढ़ाने का अनुरोध किया है।

हालांकि, यह सुझाव कॉरपोरेट और अमीर टैक्सपेयर्स को पसंद नहीं आएगा। सीए फर्म चोकशी एंड चोकशी के पार्टनर मितिल चोकशी ने कहा कि रिएसेसमेंट की अवधि को पांच साल तक सीमित करना एक अच्छा निर्णय था। इससे टैक्सपेयर्स की परेशानी और मुकदमेबाजी कम होगी। अगर विभाग को लगता है कि इससे रेवेन्यू का वास्तविक नुकसान हो सकता है तो सरकार सख्त मापदंडों के बारे में सोच सकती है। इसमें कुछ मामलों को खोलने की अनुमति दी जा सकती है। लॉ फर्म खेतान एंड कंपनी के पार्टनर आशीष मेहता ने कहा कि अगस्त में रिएसेसमेंट नोटिसेज की बाढ़ आ सकती है। ये नोटिस एसेसमेंट ईयर 2018-19 और उससे पहले के लिए हो सकते हैं।

देश में कितनी तेजी से फैली है कोचिंग इंडस्ट्री, जीएसटी कलेक्शन देखकर फटी रह जाएंगी आंखें

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में कोचिंग इंडस्ट्री कितनी तेजी से फल-फूल रही है, इसका अंदाजा कोचिंग इंस्टिट्यूशन से मिल रहे जीएसटी कलेक्शन को देखकर लगाया जा सकता है। पिछले चार-पांच साल में कोचिंग इंस्टिट्यूशन से मिलने वाले जीएसटी कलेक्शन में दोगुनी से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 2019-20 में जहां कोचिंग संस्थानों से 2240.73 करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन मिला, वहीं 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 5517.45 करोड़ हो गई है। 2020-21 में कोविड के दौरान भी यह आंकड़ा 2215.24 करोड़ का रहा। 2021-22 में 3045.12 करोड़ और 2022-23 में 4667.03 करोड़ रुपये कलेक्शन रहा। राज्यसभा के सदस्य प्रमोद तिवारी की ओर से पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी गई है।

लिखित जवाब के मुताबिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी यह माना गया है कि छात्रों के साथ-साथ उनके पैरेंट्स बेहतर रिजल्ट के लिए कोचिंग को चुन रहे हैं। विषय को समझाने की जगह रटने पर फोकस कराया जा रहा है। समाधान के लिए नई शिक्षा नीति में रेगुलर फोरमेटिव असेसमेंट की सिफारिश की गई है। सिर्फ रटने और परीक्षा-केंद्रित तैयारी पर जोर देने वाली कोचिंग संस्कृति के प्रभाव को कम करने के लिए जरूरी कदम उठाने की बात कही गई है। वीएसपीके एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन एस. के. गुप्ता का कहना है कि पैरेंट्स व छात्रों पर कोचिंग का बुखार इस कदर हावी है कि वे डमी स्कूलों में चले जाते हैं। डमी स्कूलों में जाकर एडमिशन ले लेते हैं और क्लास कोचिंग में लेते हैं। जबकि स्कूल जाने से बच्चा ज्यादा सीखता है, उस पर तनाव कम हावी होता है।

CUET, NEET, JEE... बोर्ड सब्जेक्ट बेस्ड

2024 में सरकार ने जेईई मेन के साथ-साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET-UG 2024 के सिलेबस में भी कटौती की थी। CUET, NEET, JEE जैसे बड़े एंट्रेंस टेस्ट बोर्ड स्तर की परीक्षाओं में पढ़े गए कोर सब्जेक्ट के आधार पर कराए गए हैं। यानी बोर्ड क्लासेज में अच्छी तरह से पढ़ने वाले छात्र इन बड़े एंट्रेंस टेस्ट को बिना कोचिंग के भी क्रैक कर सकते हैं। जेईई एक वर्ष में दो बार होती है ताकि छात्र बेस्ट स्कोर चुन सके। सीयूईटी, जेईई और नीट देश की 13 भारतीय भाषाओं में कराई जाती है। अब सरकार ने परीक्षा सुधारों के लिए हाई लेवल कमिटी भी बनाई है, जो तीन स्तर की रणनीति पर काम कर रही है। 2025 के एंट्रेंस टेस्ट में कुछ और बदलाव की उम्मीद है।

गाइडलाइंस ही काफी नहीं

छात्रों से ज्यादा फीस वसूलने, छात्रों पर ज्यादा तनाव थोपने जैसी समस्याओं को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग सेंटरों के लिए 16 जनवरी 2024 को गाइडलाइंस तो जारी की थी, लेकिन यह काफी नहीं। कोचिंग सेंटर अपने इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान नहीं देते, नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इस वजह से छात्रों की जान पर खतरा है। इसे हर हाल में रोकना होगा। केंद्र को राज्यों के साथ मिलकर छात्रों के हित वाली पॉलिसी पर काम करना होगा।

वर्षों बाद नाग पंचमी पर बनेगा ये शुभ योग, इन राशि वालों को मिलेगी तरक्की

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नागपंचमी का पर्व मनाया जाता है। नाग पंचमी का पर्व नाग देवता को समर्पित है। सावन माह में मनाए जाने वाले इस त्योहार में भगवान भोलेनाथ के साथ नाग देवता की भी पूरे विधि विधान से पूजा की जाती है। महाभारत, नारद पुराण और स्कन्द पुराण आदि में नाग देवता की पूजा के विधान का उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि नागपंचमी के दिन नागदेवता की पूजा करने से भक्त के जीवन के सभी संकट दूर होते हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है। नाग पंचमी का व्रत इस बार 9 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाएगा। नागपंचमी पर 6 साल बाद कुछ खास योग बनने जा रहे हैं। 6 साल बाद नाग पंचमी पर सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और रवि योग बनने जा रहा है। आइए जानते हैं नागपंचमी पर बनने वाले यह योग किन राशियों के लिए लाभकारी हैं।

मेष राशि

नागपंचमी पर मेष राशि के जातकों के ग्रहों की स्थिति मजबूत होगी और भाग्य हर स्थान पर उनका साथ देगा। यदि आप एक व्यवसायी हैं तो आपके द्वारा शुरू किए जाने वाले प्रोजेक्ट में मेहनत का शुभ फल प्राप्त होगा। यदि आप काफी लंबे समय से बीमार हैं तो उससे भी निजात मिलेगी।

कर्क राशि

कर्क राशि के जातकों के लिए नागपंचमी पर बन रहे शुभ योग उत्तम फल लेकर आएंगे। इस दौरान कर्क राशि वालों के सभी कार्य सिद्ध होने की संभावना है। आपकी मुलाकात किसी अनुभवी व्यक्ति से हो सकती है जो आपके करियर में आगे बढ़ने में आपकी मदद करेंगे। विवाहित लोगों के रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी और रिश्ते मधुर होंगे।

सिंह राशि

नागपंचमी पर बन रहे शुभ योग के प्रभाव से नौकरीपेशा जातकों को किसी नई नौकरी के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। यदि आप लंबे समय से मानसिक तनाव से गुजर रहे थे तो वो दूर होगा। यदि आपका कोई कानूनी मामला कोर्ट में चल रहा है तो उसमें भी आपको सफलता मिलेगी।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के जातकों की बात करें तो नागपंचमी पर बनने वाले शुभ योग के प्रभाव से व्यवसाय में मुनफल होने की संभावना है। कुंभ राशि के कुछ जातकों को विदेश में नई नौकरी के अवसर प्राप्त होंगे। यदि आपने कहीं से कर्ज लिया था तो आपको शीघ्र ही उससे छुटकारा मिलेगा।

सूर्य-शनि से बनेगा समसप्तक योग, इन राशि वालों को मिलेगी जबरदस्त कामयाबी

पं. श्री रमेशचंद व्यास
(चैनपुरा वाले)
ज्योतिषयाचार्य एवं रत्न विशेषज्ञ
मो. 9826345104

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब-जब ग्रहों का गोचर होता है तो इसका प्रभाव सभी राशियों के ऊपर पड़ता है। ग्रहों के गोचर करने से कई तरह के राजयोगों का भी निर्माण होता है। भले ही दो शत्रु ग्रहों की आपस में युति होती है फिर भी कुछ शुभ योगों का निर्माण होता है। कुछ ऐसा ही योग शनि-सूर्य की युति से बनने वाला है। आपको बता दें कि शनि अभी अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में भ्रमण पर हैं और सूर्य देव 16 अगस्त को अपनी स्वयं की राशि सिंह में प्रवेश कर जाएंगे। सूर्य के सिंह राशि में प्रवेश करते ही सूर्य और शनि दोनों ही एक दूसरे से 180 डिग्री पर मौजूद होंगे। यानि दोनों ही ग्रह एक दूसरे पर अपनी सातवीं दृष्टि डालेंगे। ज्योतिष में जब इस तरह का योग बनता है तो उसे समसप्तक योग के नाम से जाना जाता है। इस योग से कुछ राशि वालों का भाग्य चमक सकता है। आइए जानते हैं कौन-कौन से हैं वे राशियां।

मकर राशि

मकर राशि के स्वामी ग्रह शनि देव होते हैं। ऐसे में सूर्य-शनि के प्रभाव के कारण बना समसप्तक योग बहुत ही लाभकारी साबित हो सकता है। आपका भाग्य चमक उठेगा। अचानक से धन लाभ के मौके आपको मिलेंगे। नौकरीपेशा जातकों को नौकरी में तरक्की और कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति में पहले के मुकाबले सुधार देखने को मिल सकता है। नई योजनाओं में कामयाबी हासिल होंगी। सुख, वैभव और मान-सम्मान मिलेगा।

कुंभ राशि

समसप्तक योग कुंभ राशि वालों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आपको धन की प्राप्ति तो होगी साथ ही साथ आपके व्यक्तित्व में निखार देखने को मिलेगा। बड़ी योजनाओं में आपको अच्छी सफलता मिलेगी और बड़े-बड़े लोगों के साथ अच्छे-अच्छे संबंध स्थापित होंगे। अचानक से धन की प्राप्ति संभव है। वैवाहिक जीवन में अच्छा सुधार देखने को मिलेगा। जो लोग बेरोजगार उन्हें नई नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

वृषभ

वृषभ राशि के जातकों के लिए समसप्तक योग बहुत ही शुभ और लाभकारी रहेगा। आपके सुख-साधनों में वृद्धि होगी। आय में इजाफा और कोई नया काम आगे बढ़ेगा। आपकी समाज में अच्छी लोकप्रियता बनेगी। जो लोग नौकरी की तलाश में उनको अच्छे अवसर मिल सकते हैं। व्यापार करने वाले जातकों को अच्छा खासा मुनाफा होगा।

अगस्त में ग्रहों के राशि परिवर्तन से इन राशियों को रहना होगा सावधान

पंडित कपिल पाराशर
ज्योतिष आचार्य
वास्तु विशेषज्ञ
6261493070

अगस्त का महीना जल्द शुरु होने वाला है. इस माह में कई बड़े गोचर होने वाले हैं. सावन के महीने में इन गोचर से कई राशियों को सावधान रहने की जरुरत है. सबसे पहले जानते हैं अगस्त के महीने में होने वाले बड़े गोचर कौन से हैं.

अगस्त 2024 के बड़े गोचर

बुध गोचर- 5 अगस्त 2024
सूर्य गोचर- 16 अगस्त 2024
शुक्र गोचर- 25 अगस्त 2024
मंगल गोचर- 26 अगस्त 2024

अगस्त के महीने में सिंह राशि में सबसे ज्यादा हलचल देखने को मिलेगी. सूर्य का गोचर भी सिंह राशि में हो रहा है, वहीं ग्रहों के राजकुमार बुध सिंह राशि में वक्री हो जाएंगे. शुक्र इस समय सिंह राशि में विराजमान हैं और 25 अगस्त को कन्या राशि में प्रवेश करेंगे. इस लिहाज से सिंह राशि वालों को अगस्त के माह में सावधान रहने की जरुरत है.

मेष राशि- मेष राशि वालों के लिए अगस्त का महीना बहुत मुश्किल भरा हो सकता है. इस माह में कारोबार में निवेश करने से पहले घर के बड़ों की सलाह लें. अपनी हेल्थ का ख्याल रखें. किसी बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं.

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों को इस दौरान अपनी वाणी को मधुर रखने की जरुरत है. आपकी वाणी का प्रभाव आपके काम पर पड़ सकता है. विनम्रता से बात करें, किसी काम को करने में जलदबाजी ना करें.

मीन राशि - मीन राशि वालों को इस महीने बिजनेस में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है. अगर आप किसी नए काम की शुरुआत करना चाहते हैं तो इस महीने रुक जाएं. किसी भी नए काम में हाथ अभी ना डालें. निवेश करने की प्लैनिंग कर रहे हैं तो सोच समझ कर या किसी विशेषज्ञ की सलाह से ही निवेश करें.

इस नक्षत्र में पैदा होने वाले लोगों के विवाह में आती हैं अड़चनें, जानिए इससे जुड़ी खास बातें

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

ज्योतिष शास्त्र में प्रत्येक नक्षत्र का अपना प्रभाव होता है और इसका प्रभाव किसी विशेष नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति पर देखा जा सकता है। नक्षत्रों को तारों का समूह माना जाता है, लेकिन आर्द्रा नक्षत्र कई तारों का समूह न होकर केवल एक तारा है। आर्द्रा नक्षत्र मिथुन राशि और राशि स्वामी बुध के प्रभाव में है। इसी प्रकार, राहु नक्षत्र का स्वामी ग्रह है, इसलिए इस नक्षत्र में जन्म लेने वालों पर भी राहु का प्रभाव देखने को मिलता है। ध्यान देने योग्य होता है।

शीघ्रता से सीखने की क्षमता

आर्द्रा नक्षत्र में जन्म लेने वाले लोग कोई भी बात आसानी से नहीं भूलते। वे हर क्षेत्र में अपना हाथ आजमाना चाहते हैं। महिलाओं को नई चीजें सीखना और उनके बारे में जानकारी इकट्ठा करना पसंद होता है। चिकित्सा जैसी विशिष्टताएं अधिक उपयुक्त हैं।

आर्द्रा नक्षत्र में जन्में लोगों की शादी में होता है विलंब

आर्द्रा नक्षत्र के लोगों को उपयुक्त जीवनसाथी नहीं मिलने के कारण विवाह में देरी का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपको शादी से पहले अपने जीवनसाथी के बारे में पूरी जानकारी नहीं मिलती है, तो शादी के बाद भी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस नक्षत्र में जन्म लेने वाली महिलाओं के अपने पति के साथ अच्छे संबंध होते हैं। ये लोग बहुत रोमांटिक होते हैं।

आर्द्रा नक्षत्र में जन्मे लोगों का व्यक्तित्व

आर्द्रा नक्षत्र में जन्म लेने वाले लोग बहुत जिम्मेदार होते हैं। वह जिस भी काम को हाथ में लेते हैं उसे जल्द से जल्द पूरा करने की कोशिश करते हैं। ये लोग रिश्ते निभाने में भी बहुत अच्छे होते हैं। इसी प्रकार, इस नक्षत्र में जन्म लेने वाली महिलाएं अत्यधिक खर्च करने वाली होती हैं। इस वजह से उन्हें अक्सर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हालाँकि, वे काफी स्मार्ट और आकर्षक होते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे अनावश्यक विवादों और झगड़ों में नहीं पड़ते।

आर्द्रा नक्षत्र में जन्मे लोगों का शुभ अंक और रंग

आर्द्रा नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए भाग्यशाली रत्न माणिक होता हैऔर इस नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए भाग्यशाली संख्या 2, 4, 7 और 9 है। इस नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए भाग्यशाली रंग लाल और बैंगनी होते हैं। इस नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए भाग्यशाली दिन मंगलवार और गुरुवार है।

एथर एनर्जी ने इंदौर में अपने पहले फैमिली स्कूटर रिज़्टा की 100 यूनिट्स वितरित कीं

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माताओं में से एक, एथर एनर्जी ने आज इंदौर के यशवंत क्लब में आयोजित एक भव्य डिलीवरी कार्यक्रम में 100 एथर रिज़्टा फैमिली स्कूटर उनके मालिकों को सौंपे। यह इंदौर में नए रिज़्टा स्कूटर की एक दिन में की गई सबसे बड़ी डिलीवरी है।

इस अवसर पर श्री रवनीत सिंह फोकेला, चीफ बिज़नेस ऑफिसर, एथर एनर्जी ने कहा, 'हम आज इंदौर में पहले 100 ग्राहकों को अपना पहला फैमिली स्कूटर, रिज़्टा सौंपते हुए बहुत उत्साहित हैं। यह इंदौर में इलेक्ट्रिक स्कूटर के बढ़ते हुए बाजार और रिज़्टा के लिए बाजार से मिल रही प्रतिक्रिया के कारण संभव हो सका है। रिज़्टा परिवारों की जरूरतों

को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह परिवार के उपयोग के लिए उत्तम है। इसलिए इंदौर के बाजार के लिए यह उपयुक्त है। यह पर्याप्त स्पेस, कम्फर्ट और दैनिक उपयोग के फीचर्स के साथ एक भरोसेमंद और व्यवहारिक स्कूटर है।'

रिज़्टा दो मॉडलों और तीन वैरिएंट्स में उपलब्ध है। रिज़्टा एस और रिज़्टा Z में 2.9kWh की बैटरी और टॉप-एंड मॉडल रिज़्टा Z में 3.7kWh की बैटरी है। 2.9kWh वैरिएंट से 123 किलोमीटर की अनुमानित आईडीसी रेंज और 3.7kWh वैरिएंट से 159 किलोमीटर की रेंज मिलती है। रिज़्टा की सीट विशाल और आरामदायक है। इसमें 56 लीटर का विशाल स्टोरेज मिलता है, जिसमें 34 लीटर का अंडरसीट स्टोरेज और 22 लीटर की वैकल्पिक फ्रंक एक्सेसरी है। इसके बड़े फ्लोरबोर्ड से राईडर को पर्याप्त लैग स्पेस मिलता है। इसके अलावा, रिज़्टा में अनेक सेफ्टी फीचर्स जैसे स्किडकंट्रोलरू और फॉलसेफTM, इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल (ESS), थेफ्ट एवं टो डिटेक्ट, और पिंग माई स्कूटर आदि हैं, जो इससे पहले एथर के 450 सीरीज़ के स्कूटर में थे।

बजाज फिनसर्व एएमसी ने केंद्रित रणनीति के साथ बजाज फिनसर्व लार्ज कैप फंड लॉन्च किया

मुंबई/पुणे। आईपीटी नेटवर्क

बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने बजाज फिनसर्व लार्ज कैप फंड के लॉन्च की घोषणा की है, जो इस श्रेणी में एक अनूठा फंड है, जिसमें उच्च सक्रिय शेयर और चुनिंदा 25-30 स्टॉकङ पर ध्यान केंद्रित करने वाली एक केंद्रित रणनीति है। इस अनूठे दृष्टिकोण के माध्यम से, फंड का लक्ष्य लंबी अवधि में बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न प्रदान करना है।

बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि लार्ज कैप का वर्तमान मूल्यांकन उनके दीर्घकालिक औसत 23.1 (बारह महीने के मूल्य से आय अनुपात का दीर्घकालिक औसत) के करीब है। इससे पता चलता है कि लार्ज कैप वर्तमान में अपने उचित मूल्यांकन के करीब हैं, जिससे वे दीर्घकालिक निवेश के लिए एक आकर्षक प्रस्ताव बन गए हैं। अध्ययन से यह भी पता चलता है कि मिड और स्मॉल कैप श्रेणियां में अपने साथियों की तुलना में लार्ज कैप शेयरों में कम गिरावट आती है और वे अपने नुकसान की भरपाई तेजी से करते हैं।

बजाज फिनसर्व लार्ज कैप फंड के पास उच्च-दृढ़ स्टॉक चयन दृष्टिकोण के साथ एक केंद्रित पोर्टफोलियो होगा। उच्च सक्रिय शेयर रणनीति को नियोजित करके लंबी अवधि में बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन देने का लक्ष्य है। फोकस भारत की विकास कहानी पर है, टिकाऊ विकास की मजबूत क्षमता वाले व्यवसायों की पहचान करना है। बॉटम-अप निवेश दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए, यह व्यक्तिगत कंपनियों, उनके बुनियादी सिद्धांतों और विकास की संभावनाओं का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करता है।

न्यू बीएमडब्ल्यू सीई 04ः भारत में पहला प्रीमियम इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर

गुरुग्राम। एजेंसी

बीएमडब्ल्यू मोटोराड इंडिया ने अपने फर्स्ट इलेक्ट्रिक प्रोडक्ट - ऑल-न्यू बीएमडब्ल्यू सीई 04 . इंडियाज़ फर्स्ट प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च किया है। यह अर्बन इलेक्ट्रिक स्कूटर कम्प्लीटली बिल्ट-अप यूनिट के रूप में मिलेगा औरभारत के सभी प्रमुख महानगरीय केंद्रों मेंबुक किया जा सकता है।इसकी डिलीवरी सितंबर 2024 से शुरू होगी।

अपनी इलेक्ट्रिक ड्राइव, फॉरवर्ड-लुकिंग डिजाइन और नवीनतम टेक्नोलॉजी के साथ यह नया स्कूटर एक नए मोबिलिटी अनुभव के लिए बनाया गया है। स्कूटर के कम वजन और मोटरबाइक की टेक्नोलॉजी को मिलाकर अर्बन एन्वाइरन्मेंट के लिए एक उपयुक्त स्कूटर तैयार किया गया है।

श्री विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट, - बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा कि, 'ऑल-न्यू बीएमडब्ल्यू सीई 04 स्कूटर बीएमडब्ल्यू मोटोराड इंडिया में एक संपूर्ण नए युग की शुरुआत है। यह शहर के लिए बनाया गया न्यू इलेक्ट्रिक स्टार्ट है। शान्त, तेज और फुर्तीला ठडॅ ब्म् 04शहर में आसानी से प्रवेश करता है और अर्बन विस्तार को खेल का मैदान बना देता है। यह भविश्यवादी और इनोवेटिव स्टाइल के साथ डिजाइन स्टेटमेंट के मामले में शानदार है। प्रभावशाली शक्ति, नवीनतम टेक्नोलॉजी और भरपूर रेंज सवारी का आनंददायक अनुभव प्रदान करती हैं जिसे आप हर दिन प्राप्त करना चाहते हैं। नए शहरी रहन-सहन से जुड़े हर व्यक्ति के लिए यह एक आदर्श हमसफर है।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी वॉच7, गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा और बड्स3 सीरीज को लॉन्च किया

आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठाने के लिए अभी प्री-बुकिंग करायें

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपनी नई गैलेक्सी बड्स3, गैलेक्सी बड्स3 प्रो, गैलेक्सी वॉच7 और गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा स्मार्टवॉच की प्री-बुकिंग कराने वाले उपभोक्ताओं के लिए आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की है। गैलेक्सी वॉच 7 और गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा ने वियरेबल्स के जरिए और लोगों तक गैलेक्सी एआई की शक्ति को पहुंचाया है। ये प्रोडक्ट्स सभी को सेहत का संपूर्ण अनुभव देने के लिए डिजाइन किये गये हैं। गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा - गैलेक्सी वॉच पोर्टफोलियो का सबसे नया और सबसे पावरफुल प्रोडक्ट है, जिसे जबरदस्त इंटेलिजेंस और क्षमताओं के साथ अगले स्तर के एडवांस्ड फिटनेस अनुभवों के लिए डिजाइन किया गया है। वॉच अल्ट्रा को नए कुशन डिज़ाइन के साथ तैयार किया गया है जिससे इसकी सुरक्षा बढ़ी है और यह दिखने में काफी सुंदर है। यह टाइटेनियम ग्रेड 4 फ्रेम और 10ATM वाटर रेसिस्टेंस के साथ आता है, जो समुद्र में तैरने से लेकर बेहद चुनौतीपूर्ण पर्यावरणीय स्थिति में अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में साइकिल चलाने जैसे आधुनिक फिटनेस गतिविधियों में काम करने में सक्षम है।

नए जोड़े गए क्विक बटन के साथ, आप तुरंत वर्कआउट शुरू करते हुए उसे नियंत्रित कर सकते हैं और अपनी जरूरतों के मुताबिक अन्य कार्यों की मैपिंग कर सकते हैं। इसके अलावा, आप सुरक्षा के लिए एक इमरजेंसी सायरन को एक्टिव कर सकते हैं। वर्कआउट के बाद, आप गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा के लिए विशेष रूप से तैयार वॉच फेसेज में सेहत से संबंधित आंकड़ों पर नजर डाल सकते हैं। 3,000 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ, गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा आपको तेज धूप में भी में रीडिंग की सुविधा देता है। लंबे एडवेंचर के दौरान मन की शांति के लिए, गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा में गैलेक्सी वॉच लाइन-अप के भीतर

सबसे लंबी बैटरी लाइफ है, जो पावर सेविंग में 100 घंटे और एक्सरसाइज पावर सेविंग में 48 घंटे तक की पेशकश करती है। गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा 47 एमएम के आकार में टाइटेनियम ग्रे, टाइटेनियम व्हाइट और टाइटेनियम सिल्वर में उपलब्ध होगी। गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा 3एनएम के चिपसेट के साथ आती है।

व्हाट्सएप ने राष्ट्रीय प्राइवेसी कैम्पेन लांच किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

व्हाट्सऐप ने आज एक नया प्राइवेसी कैम्पेन शुरू किया है जिसका मकसद यह बताना है कि व्हाट्सऐप पर आपकी बातचीत कितनी सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि व्हाट्सऐप में कई तरह के सुरक्षा तरीके हैं जो आपके मैसेज को सुरक्षित रखते हैं। चाहे आप अपने दोस्तों, परिवार या काम के बारे में बात कर रहे हों, व्हाट्सऐप आपके मैसेज को किसी और तक नहीं पहुंचने देता। आप खुद ही तय कर सकते हैं कि आप किसके साथ क्या शेयर करना चाहते हैं। राष्ट्रीय कैम्पेन मध्य प्रदेश सहित 8 भारतीय राज्यों में ओओएच, प्रिंट, डिजिटल और सिनेमाघरों में चलेगा।

इस कैम्पेन के जरिये बताया गया है कि अगर आप अपने घर से दूर रहते हैं, तो व्हाट्सऐप आपके लिए एक सुरक्षित जगह की तरह है। यहां आप नए दोस्त बना सकते हैं और अपने परिवार वालों से बिना किसी की परवाह किए पूरी गोपनीयता के साथ बातें कर सकते हैं। व्हाट्सऐप ने पिछले कुछ वर्षों में कई सिक्योरिटी फीचर्स एवं बिल्ट-इन प्राइवेसी को शामिल किया है। इससे यह साफ हो जाता है कि व्हाट्सऐप अपने यूजर की गोपनीयता को बहुत महत्व देता है।

ये एक विज्ञापन फिल्म है जो एक लड़के के बारे में बताती है। इसे बीबीडीओ इंडिया ने बनाया है और शिमित अमीन ने इसे निर्देशित किया है। फिल्म में ये लड़का एक नये शहर जाता है क्योंकि वो एक अच्छा शेफ बनना चाहता है। ये विज्ञापन इस लड़के की कहानी बताता है कि कैसे वो अपने सपने को पूरा करने के लिए मेहनत करता है।

इस कैम्पेन में एक नई संस्कृति को अपनाने, नई भाषा सीखने और बिलकुल नए काम करने के माहौल में अपने पैर जमाने की कोशिशों के दौरान कुछ दिल को छू लेने वाले और चुनौतीपूर्ण क्षणों को कैद किया गया है। यह कैम्पेन इस बात को सामने रखता है कि

व्हाट्सऐप एक ऐसी सुरक्षित जगह की तरह है जहां वो अपने दोस्तों और परिवार से बात कर सकता है और उन्हें अपनी संवदेनशील पलों के बारे में बता सकता है। जब वो किसी मुश्किल में होता है या डरता है तो वो व्हाट्सऐप पर अपने दोस्तों और परिवार से बात करके हिम्मत हासिल करता है।

सैमसंग इंडिया ने नए एसी लॉन्च किए हैं जो ठंडे पानी पर आधारित

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने नए विंडफ्रीरूएयरकंडीशनरलॉन्चकिएहैं।येएसीचिल्डवॉटर-आधारित कैसेट यूनिट में आते हैं और विंड फ्री और 360 डिग्री ब्लेडलेस तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। ये नई तकनीक उपभोक्ताओं को सीधे ठंडे हवा के झोंके के बिना बेहतर कूलिंग प्रदान करती है।' चिल्ड वॉटर आधारित कैसेट यूनिट्स उपभोक्ता को अपने मनचाहे तापमान सेट करने की सुविधा देती हैं। विंडफ्री कूलिंग टेक्नोलॉजी 0.15 मीटर/सेकंड की हवा की गति से 15,000 छोटे-छोटे एयर होल्स के जरिए धीरे-धीरे ठंडी हवा फैलाती है। एडवांस एयर फ्लो सिस्टम चुपचाप काम करते हुए कमरों को तेजी से ठंडा करता है और केवल 24 डीबी (A) की बहुत हल्की आवाज उत्पन्न करता है, जो इसे शयन कक्षों, अध्ययन कक्षों और बच्चों के कमरों के लिए आदर्श बनाता है।

भारत में Galaxy AI पावर्ड Galaxy Z Fold6 और Z Flip6 को शानदार रिस्पॉन्स मिला

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज घोषणा की कि जो ग्राहक भारत में Galaxy Z Fold6 और Galaxy Z Flip6 के लिए प्री-बुकिंग कर चुके हैं, उन्हें समय से पहले डिलीवरी मिलेगी। Galaxy Z Fold6 और Galaxy Z Flip6 ने पिछले फोल्डेबल फोन्स की तुलना में सिर्फ 24 घंटों में 40% ज्यादा प्री-ऑर्डर हासिल किए हैं।

Galaxy Z Fold6 और Z Flip6 के लिए प्री-ऑर्डर भारत और बाकी दुनिया में 10 जुलाई को शुरू हुए। ये नए स्मार्टफोन 24 जुलाई, 2024 से भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे, साथ ही हाल ही में लॉन्च किए गए अन्य डिवाइस - गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा, गैलेक्सी वॉच7, गैलेक्सी बड्स3 प्रो और गैलेक्सी

बड्स3 भी मिलेंगे। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजू पुलन ने कहा, ''हम भारत में अपने नए फोल्डेबल्स - Galaxy Z Fold6 और Galaxy Z Flip6 को लेकर उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया से बहुत खुश हैं। प्री-ऑर्डर में 1.4 गुना वृद्धि से पता चलता है कि भारतीय उपभोक्ता नई तकनीक को तेजी से अपनाने वाले हैं। ये नए फोल्डेबल स्मार्टफोन, जो अब छठी पीढ़ी में हैं, गैलेक्सी एआई के नए युग की शुरुआत करते हैं और संचार, उत्पादकता और रचनात्मकता में मोबाइल अनुभवों को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हैं। Galaxy Z Fold6 और Galaxy Z Flip6 की सफलता से हमें भारत में अपने प्रीमियम सेगमेंट में नेतृत्व को मजबूत करने में मदद मिलेगी।'

भारतीय उपभोक्ताओं के लिए Galaxy Z Fold6 और Z Flip6 का निर्माण सैमसंग की नोएडा फैक्ट्री में किया जा रहा है। ये नए फोल्डेबल अब तक के सबसे पतले और हल्के गैलेक्सी Z सीरीज डिवाइस हैं, और सीधी एज के साथ बिल्कुल सममित डिजाइन में आते हैं। गैलेक्सी Z सीरीज उन्नत आर्मर एल्युमीनियम और कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 से लैस है, जिससे ये अब तक की सबसे टिकाऊ गैलेक्सी" सीरीज बन गई है।

कैरियर तलाश रहे इंदौर के युवाओं के लिए होटल मैनेजमेंट में उम्दा अवसर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इंदौर में होटल मैनेजमेंट का राष्ट्रीय स्तर का शासकीय संस्थान है जहां कैरियर तलाश रहे युवाओं के लिए एक उम्दा अवसर और व्यावसायिक पाठ्यक्रम उपलब्ध है। बाईपास में राऊ चौराहे के निकट स्थित स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में बी एस सी और डिप्लोमा के 2 कोर्स में अभी भी एडमिशन लिया जा सकता है। संस्थान के प्राचार्य डॉ. विजय कुमार सिंह ने बताया है कि बारहवीं उत्तीर्ण विद्यार्थी यहाँ 05 अगस्त को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा में भाग ले सकते हैं। उन्हें संस्थान में आकर एडमिशन फ़ार्म प्राप्त करना होगा और भरकर यहीं 04 अगस्त तक जमा कर सकते हैं। रविवार होने के कारण तथा दूर के विद्यार्थी वाट्सएप नंबर 9039503035 में अपना फ़ॉर्म ऑनलाइन भी भेज सकते हैं। परीक्षा देने के लिए उन्हें 5 अगस्त को सुबह नौ बजे अपना आधार कार्ड लेकर आना होगा।

प्राचार्य और मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह के अनुसार संस्थान में डिग्री और डिप्लोमा दो तरह के कोर्स उपलब्ध हैं। डिप्लोमा के लिए 20 अगस्त तक सीधे प्रवेश दिए जाएंगे। संस्थान में परिसर के भीतर छात्र और छात्राओं के लिए पृथक-पृथक हॉस्टल उपलब्ध हैं। साथ ही शहर से ट्रांसपोर्ट की भी सुविधा है। यह एक ऐसा संस्थान है जहाँ पढ़ने के बाद 100 परसेंट प्लेसमेंट सुनिश्चित है। डिग्री की 3 वर्षों की फ़ीस बड़े निजी संस्थानों की तुलना में बेहद कम है। यहाँ बीएससी इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल मैनेजमेंट के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए लगभग 120 सीट निर्धारित हैं। साथ ही डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा कोर्स के लिए फ़ूड प्रोडक्शन, फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन, फ़ूड एंड बेवरेज सर्विसेज़, हाउसकीपिंग तथा बेकरी कन्फेक्सशरी कुल 5 पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। जहाँ विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार एडमिशन ले सकते हैं। प्राचार्य ने बताया है कि इस संस्थान से अभी तक आठ बैच निकल चुके हैं। डिग्री कोर्स के लगभग 700 बच्चे ना केवल देश अपितु विदेशों के प्रमुख होटल और अन्य संस्थानों में अच्छी नौकरी कर रहे हैं। डिप्लोमा कोर्स वर्ष 2012 से संचालित हैं और इनसे भी लगभग पाँच सौ बच्चे पास आउट होकर अच्छा करियर बना चुके हैं। यह संस्थान मध्य प्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा संचालित है। शासकीय एजेंसी द्वारा संचालित होने के कारण यहाँ रोजगार के सीधे-सीधे अवसर उपलब्ध हो जाते हैं।

संस्थान की डॉ. मोनिशा जुनेजा ने बताया कि इस संस्थान का परिसर लगभग सात एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। निकट ही सेज यूनिवर्सिटी है। यह संस्थान विद्यार्थियों के लिए सर्व सुविधायुक्त है। कैटरिंग डिपार्टमेंट के श्री वसंत नारायण बताते हैं कि यहाँ पर सभी विद्यार्थियों को प्रेक्टिकली हर चीज़ सिखायी जाती है। संस्थान के फ़ैकल्टी श्री विवेक कांत बताते हैं कि संस्थान में कैंपस प्लेसमेंट के लिए हमेशा बेहतर अवसर उपलब्ध रहते हैं। श्रीमती मोनिका पाण्डेय के अनुसार व्यावहारिक शिक्षा के कारण यहाँ के विद्यार्थी शिक्षा पूरी होने के साथ ही बड़े होटल में आराम से नौकरी पा जाते हैं।

संस्थान के एओ श्री अमोल अग्निहोत्री ने बताया कि यह संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी नोडिया से संबद्ध है जो पूरे भारत में होटल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम का अग्रदूत है। होटल ताज समूह, ओबेरॉय, आईटीसी वेलकम, द पार्क, हिल्टन, ग्रैंड शेरेटन, रेडिसन, मैरियट, रिलायंस, बिग बस्कीज, मैक डोनाल्ड, एयर इंडिया आदि भर्ती पार्टनर हैं। संस्थान में छात्रवृत्ति भी सरकारी मानदंडों के अनुसार लागू है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।